an>

Title: Regarding acquiring 1500 acres land for industrial park.

श्री राजेश रंजन (मधेपुरा) : उपाध्यक्ष महोदय, अभी दो दिन पूर्व गजेन्द्र सिंह नाम के एक किसान ने आत्महत्या कर ली। देश में आत्महत्याएं होती हैं तो हाय-तौबा मचती है और बिहार में आत्महत्या होती है तो कुछ नहीं होता। मनेर के गजेन्द्र सिंह ने आत्महत्या कर ली। उसी राह पर बिहटा के सारे किसान चल रहे हैं। 1500 एकड़ जमीन का मैंगा औद्योगिक पार्क के लिए अधिगृहण किया गया था। करीब 7-8 साल हो गये, वहां के किसानों को मुआवजा अभी तक नही मिला है। सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि कई बार मुख्यमंत्री और सब के आदेश के बावजूद भी वहां किसानों की जमीन का मुआवजा नहीं मिला है। किसान चाहता है कि जो हमारी बची हुई जमीन है, वह हमारी रैयेती जमीन हमें वापस कर दी जाये, जिसको लिया गया और उसका जो मुआवजा है, वह हमको मिले।

मैं आपसे सिर्फ आग्रह करना चाहूंगा कि देश में सबसे बड़ा साइक्लोन मेरे क्षेत्र में आया और 52 लोग मेरे यहां मरे। मैं वहां उस समय नहीं था। जो 52 लोग मरे, उनकी ओर सरकार की तरफ से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। मैं लास्ट में आग्रह करना चाहता हूं कि बिहटा क्षेत्र के जो किसान हैं, वे गजेन्द्र सिंह की राह पर नहीं चलें, इसके लिए वहां की जो 1500 एकड़ जमीन औद्योगिक पार्क के लिए ली गई है, उसका मुआवजा सरकार अविलम्ब दे, अन्यथा बड़ी लड़ाई की सम्भावना वहां बन रही है। वहां के किसान आत्महत्या करने को मज़बूर हो जाएंगे, जिसकी दोषी बिहार सरकार है। उसे बचाने की जिम्मेदारी हमारे ऊपर है।

HON. DEPUTY SPEAKER : Shri Sunil Kumar Singh is permitted to associate with the issue raised by Shri Rajesh Ranjan.